Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–215

B.A. (Part–III) DUE Part–II Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - I

(मध्यकालीन राजस्थानी काव्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब राजस्थानी या हिन्दी में दिया जाय सकै।)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर-सीमा **50** सबद। हरेक सवाल **2** अंक रो है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर-सीमा **200** सबद। हरेक सवाल **8** अंक रो है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर-सीमा **500** सबद। हरेक सवाल **20** अंक रो है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. (i) कवि सांया जी झूला रै पिताजी रौ नांव अर वे कठां रा जागीदार हां औ बताओ।

   (ii) कवि सायांजी झूला रै रचित कोई दो ग्रन्थां रा नांव लिखौ।

(iii) कवि सायां जी झूला किण राजा रा समकालीन हां ?

(iv) ''मचै मूठ मारा झरै श्रौण झारा'' इण पंक्ति रौ अरथ बताओ।

(v) 'नागदमण' पोथी कुणसी कथा सूं सम्बंधित खण्ड काव्य है ?

(vi) 'राजिया रा सोरठा' में किण भातं रा सोरठा रचिज्यौड़ा है ?

(vii) राजियां अर कृपाराम जी में कोई सरबन्ध हो ?

(viii) कवि कृपाराम जी रौ जन्नम कठां ह्वियौ ?

(ix) ''मद विधा धन मांन, ओछा सो चाळैं अवट''

इण पंक्ति में कवि कांई सन्देश देवै ?

(x) ''कामं न मोटो कोय, रोटी मोटी राजिया''

इण सोरठा में कवि रोटी नै मोटी क्यूं बताई ?

खण्ड–ब प्रत्येक 8

2. नीचै लिख्या दूहां री सप्रसंग व्याख्या करो–

केइक नर बेकार, वड करता कहता वळे।

राखे नही लगार, राम-तणो डर राजिया॥

खाग तणै बळ खाय, सिर साटै रो सूरमा।

ज्यां रो हक रह जाय, राम निभावै, राजिया॥

3. रोग अगन अर राड़, जाण अलप कीजै जतन।

वधियां पछै विगाड़, रौक्यो रहै न राजिया॥

सब देखै संसार, निपट करै गाहक नजर।

जाणै जाणणहार, रतनां पारख, राजिया॥

4. कवि कृपाराम रचित 'राजिया रा दूहा' पोथी माथै एक लेख लिखावौ ?

5. नीचै दियौडा छंद री सप्रसंग व्याख्या करो–

तब वन्दरी लार आहीर टोळा

खडै आपडै हेक-हेका खधोळा।

जुवै जुषिता जूथ भेळी जसूदा

नपैयो हुई कान्हो मेघ-बूंदा॥

बिहु लोचनै नीर-धारा बहंती

कनैया कनैयो जसूदा कहंती।

कलंदी तणै आइ लोटंत कांठै,

गयौ जांणि चिंतामणि रंक गांठै॥

6. नीचै दियौडै छंद री सप्रसंग व्याख्या करो–

तुकारा रेकारा जिकारा तमांसूं

आया आज ते माफ कीजै अमांसूं।

महा खम्मिया, निधि जादम मोटा

खरो हेक तूं ही बिया सब्न खोटा॥

जुडै रूप तोने त्रणावृत जेहा

कुहाडा त्रिणां ऊपरां मार केहा।

लोकां ही विचाळै प्रभू लीक लागै॥

7. 'नागदमण' कथा रौ सार लिखों ?

8. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य में नीति-काव्य नै समझाओ।

खण्ड–स प्रत्येक 20

9. 'राजिया रा सोरठा' रा मैतव नै उदारण सागै स्पष्ट करावौ ?

10. 'नागदमण' पोथी रै आधार माथै कृष्ण रौ चरित्र-चित्रण करावौ।

11. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य री विकास परम्परा माथै लेख लिखावौ।

12. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य रूप खण्ड काव्य माथै टिप्पणी लिखावौ।